Regarding need for establishment of a Vaidik Yoga Sthal in Mandi Parliamentary Constituency, Himachal Pradesh- laid

सुश्री कंगना रनौत **(मंडी) :** आज जब नशा-मुक्त भारत केवल एक नारा नहीं, बल्कि समय की अनिवार्यता बन चुका है, तब ऐसे केंद्र राष्ट्र के पुनर्निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं । हमारे युवा देश की शक्ति हैं । यदि उन्हें योग, ध्यान, संयम और स्वास्थ्य की भारतीय पद्धतियों से मार्गदर्शन मिलेगा, तो वे न केवल नशे से दूर होंगे, बल्कि राष्ट्र-निर्माण में भी नई ऊर्जा, नई चेतना और नए संकल्प के साथ आगे बढ़ेंगे । हमारी संस्कृतिहमारा गर्व है । हमारी परंपराएँहमारी शक्ति हैं । और हमारा युवाहमारा भविष्य है । इसी भावना के साथ मैं सरकार से अनुरोध करती हूँ कि इस प्रस्ताव पर विशेष ध्यान दिया जाए । AYUSH मंत्रालय, स्वास्थ्य मंत्रालय और पर्यटन मंत्रालय के समन्वय से इस परियोजना को प्राथमिकता प्रदान की जाए तथा मंडी में वैदिक योग-स्थल स्थापना के लिए शीघ्र निर्णय लिया जाए । यह केंद्र न केवल हिमाचल, बल्कि पूरे देश के लिए एक प्रेरणा बनेगा कि कैसे हमारी परंपराएँ आधुनिक चुनौतियों का समाधान दे सकती हैं ।